

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3— उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 319

नई बिल्लो, सोमवार, जुलाई 3, 1972/ब्रावाद 12, 1894

No. 319]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 3, 1972/ASADHA 12, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 3rd July 1972

S.O. 458(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 2622/18A/IDRA/69, dated the 25th June, 1969 read with the Order of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 2299, dated the 2nd July, 1970, the management of the whole of the industrial undertaking known as the Om Parasakthi Mills Limited, Coimbatore had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order first mentioned above for a period upto and inclusive of the 4th July, 1972;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period of two years;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the provise to sub-section (2) of section 18A of the Industrial (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 4th July, 1974.

[No. F.11021/63/72-Tex(G).]

K. KISHORE, Jt. Secy.

विवेश व्यापार मंत्रालयं

श्रादेश

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1972

का० ग्रा॰ 458(ग्र).—यतः भारत सरकार के विदेश न्यापार मंत्रालय के श्रावेश सं० का० ग्रा॰ 2299, दिनांक 2जुलाई, 1970 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रौद्योगिक विकास, ग्रांतरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) के धादेश सं० का० ग्रा॰ 2622/18ए/प्राई की ग्रार ए/69, दिनांक 25 जून, 1969 द्वारा श्रोम पराशक्ति मिल्स लि०, कोयम्बट्टर के नाम से ज्ञात सम्पूर्ण श्रौद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उपरिवर्णित श्रन्तिम आदेश में विनिर्दिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 4 जुलाई, 1972 तक के लिए, जिसमें यह सारीख भी शामिल है, ग्रहण कर लिया गया था।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबंध दो वर्ष की श्रवधि के लिए श्रीर बना रहना चाहिए ।

श्रतः श्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्- द्वारा निदेश देती हैं कि उपरिवर्णित श्रादेश का प्रभाव 4 जुलाई, 1974 तक की श्रवधि के लिए, जिस में यह तारीख भी शामिल है, श्रीर बना रहेगा।

[सं० फा० 11021/63/72-टैक्स (जी)] के० किशोर, संयुक्त सचिव।